



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—बाट 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रीधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

ल. 234] नई दिल्ली, बृद्धपाल, अप्रैल 21, 1993/वैशाख 1, 1915  
No. 234] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 21, 1993/VAISAKHA 1, 1915

इस भाग में विस्तृत पृष्ठ संख्या वाली हो जिससे कि यह अपेक्षित संकालन के लिए भी  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उच्चोग मंत्रालय

(ओद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1993

का. आ. स. 258(अ) — ओद्योगिक उपकरण रजिस्ट्रीकरण और अनुशासन नियम, 1952 का और संशोधन करते हैं लिए कठिनतय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे वेद्यताय सरकार, उच्चोग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त धारा 30 की उप-

भारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनमें उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसमें द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की, जिसमें अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, प्रतिया जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, माठ दिन को प्रवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत इस प्रकार विनिर्दिष्ट प्रवधि की समाप्ति के पहले किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

#### नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम ओद्योगिक उपक्रम रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन (संशोधन) नियम, 1993 है।

2. ओद्योगिक उपक्रम रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 के नियम, 10 में उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अथवा—

“(2) केन्द्रीय सरकार, राजपत्र की अधिसूचना भारा, (i) अधिनियम की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उद्योग,

(ii) वित्त;

(iii) विज्ञान और प्रौद्योगिकी;

(iv) पर्यावरण, वन और वन्यजीव;

(v) नष्ट उद्योग,

में संबंधित केन्द्रीय सरकार के मतालयों का प्रतिनिधित्व करने के लिए उनमें सदस्यों से, जो वह ठीक समझे, मिल कर बनी एक या अधिक समितिया नियुक्त कर सकेंगी।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार ठीक समझे, तो वह ऐसी समितियों में किसी अन्य मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसी अन्य सदस्य को सम्मिलित कर सकेंगी।”

[फा. सं. 10(57)/92—एल पी.]

एम. बहुरा, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April, 1993

S.O. 58(E).—The following draft of certain rules further to amend the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952 which the Central Government propose to make in exercise of the powers conferred by section 30 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), is hereby published as required by sub-section (1) of the said section 30, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which the copies of the Official Gazette in which the notification is published are made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft rules before the expiry of the period so specified, will be taken into consideration by the Central Government.

## DRAFT RULES

1. These rules may be called the Registration and Licensing of Industrial Undertakings (Amendment) Rules, 1993.
2. In the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, in rule 10, for sub-rule(2), the following sub-rule shall substituted, namely :—
 

(2) The Central Government may, by notification in the Official Gazette appoint one or more committees, consisting of such number of members as it may think fit to represent the Ministries of the Central Government dealing with —

  - (i) the industry specified in the First Schedule to the Act ;
  - (ii) Finance ;
  - (iii) Science and Technology ;
  - (iv) Environment, Forest and Wildlife ;
  - (v) Small Scale Industries.

Provided that the Central Government may, if it deems fit, include in such committee any other member to represent any other Ministry.”

[F. No. 10(37)92-LP]

S. BEHURA, Jt. Secy.

